

- v. Wicked. II. A miserable person : (1) वराक (f. की) ; (2) मन्दभाग्य (f. ग्या) : v. Unfortunate.
- WRETCHED : I. Miserable, pitiable : q.v. : (1) दीन (f. ना) ; (2) वराक (f. की : only of persons : v. Poor). II. Contemptible, low : q.v. : जघन्य (f. न्या).
- WRETCHEDLY : expr. by adj. or comp., w. -dressed : दीनवेष or जघन्यवेष (f. षा).
- WRETCHEDNESS : (1) दीनता : v. Misery ; (2) जघन्यता : v. Lowness.
- WRIGGLE : इतस्ततश्चलति (चल्, c. 1. = to move : when intrans.) or चालयति (c. of चल् : when trans.).
- WRING : I. Lit. : आकुञ्चति (कुञ्च्, c. 1.) : v. Also to twist. II. Fig., with out, off, etc. : निष्पीड्य बहिष्करोति : v. Also to squeeze.
- WRINKLE : I. Subs. : बलिः(ली), the body filled with w.s. : बलीसङ्गतगात्र (f. त्री), Mah. i. 82. 6. ; three w.s. : बलित्रयम्, Ku. i. 32. II. Verb : expr. by subs.
- WRINKLED : (1) बलितः (ता, तं), eyes with w. edges : बलितापाङ्गलोचनः, Ki. xi. 4. ; (2) बलिमत् (f. ती) ; (3) बलिमः (मा, भं).
- WRIST : मणिबन्धः, -नम्.
- WRIT : (1) शासनम् ; (2) लेखः (=writing).
- WRITE : लिखति (लिख्, c. 6.), to w. with one's own hand : स्वहस्तेन लिखति, Y. ii. 89. ; I saw this couplet written on it : तस्यामिमामलिखितामार्यामपश्यम्, K. ; he has written this back : इदमनेन प्रतिलिखितम्, Mal. i. ; getting a letter written by Śakaṭadāsa in these words : एभिरक्षरैर्लेखं शकट-दासेन लेखयित्वा, Mu. i. ; what is not written on our minds : अस्माकं चेतसि किं नाम न लिखितमस्ति, Ana. vii. : v. Also to compose.
- WRITER : I. Lit. : लेखकः, be the w. of this Bhārata : लेखको भारतस्यास्य भव, Mah. 77. II. Author : q.v. : प्रणेत् (f. त्री). III. A scribe : (1) लिपिकरः ; (2) लेखकः.
- WRITHE : I. To shrink : q.v. : संकुचति (कुच्, c. 6.). II. To distort : आकुञ्चयति (c. of कुञ्च्).
- WRITING (subs.) : I. The art of w. : (1) लिपिः, ignorant of w. : अलिपिज्ञः, N.s. ; (2) लेखः(खा) ; (3) ले(लि)खतम्. II. Anything written : (1) लेखः, looking at the w. : लेखमवलोकयन्, Mu. v. ; (2) लेख्यम् (=document) ; (3) लिखितम्. III. Hand-w. : (1) लेखः(खा) ; (2) लिखितम्, Mu. v. IV. Composition : (1) लेखः (f. खा) ; लि(ले)खनम् ; (3) लिखितम्.
- WRONG (adj.) : I. Unjust : q.v. ; अन्याय्य (f. ग्या). II. Improper : q.v. : अयुक्त (f. क्ता). III. Erroneous : q.v. : भ्रान्त (f. न्ता). IV. False : q.v. : मिथ्या.
- WRONG (subs.) : I. Injury : q.v. : अपकारः. II. Injustice : q.v. : अन्यायः. III. Error : q.v. : भ्रमः. IV. Fault : q.v. : दोषः.
- WRONG (v.) : I. To injure : q.v. : अपकरोति. II. To find fault unjustly : मिथ्यादोषं विक्षिपति (क्षिप्, c. 6.), न्यस्यति (अस्, c. 4.), etc.
- WRONG-DOER (1) अपराधिन् (f. नी=offender) ; (2) अपकारक (f. रिका=injurer) ; (3) उत्पीडक (f. डिका=tormentor).
- WRONGFUL (1) अन्याय (f. या) : v. Unjust ; (2) दुष्ट (f. ष्टा) : v. Wicked.
- WRONGFULLY : (1) अन्यायतः : v. Unjustly ; (2) दुष्टभावेन : v. Wickedly.
- WRONGLY : (1) मिथ्या : v. Falsely ; (2) अयुक्तम् : v. Improperly ; (3) अन्यायतः : v. Unjustly.
- WROTH ; क्रुपित (f. ता) : v. Enraged.
- WROUGHT : (1) कृत (f. ता) ; (2) संस्कृत or उपस्कृत (f. ता). W. iron : कुशी.
- WRY : (1) वक्र (f. क्रा=crooked : q.v.), w-necked : वक्रग्रीव (f. वा) ; (2) विकृत (f. ता =deformed : q.v.), w.-faced : विकृतानन (f. ना).

X

XENODOCHY : अतिथिसेवा and sim. comp.s.

Y

YACHT : केलिपोतः : v. Boat.

YAK : चमर (f. री), a fan made of y.'s tail (an ensign of royalty) : चामरम्.